खबर संक्षेप

नवागत सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने पदभार संभाला

मण्डला। 10 जून 2025 को नवागत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने पदभार संभाला। डॉ. मोहन्ती ने सभी विभागीय चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर कार्य करने एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समस्त आमजन को सुलभता से प्राप्त हो सके यह भी विभाग के प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी का लक्ष्य होना चाहिए। समस्त चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आने वाले मरीजों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करें एवं उनको चिकित्सकीय सुविधाएं प्रदान करें। समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं समस्त अधिकारी, कर्मचारी सीएम हेल्पलाईन पर विशेष ध्यान देते हुए शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराना सुनिश्चित करें।

पदभार ग्रहण करने के साथ ही डॉ. मोहन्ती द्वारा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। उन्होंने जिला चिकित्सालय के ओपीडी एरिया की व्यवस्था, सिकिलसेल एनीमिया की जांच, राष्ट्रीय कार्यक्रमों/अभियानों की समय पर रिपोर्टिंग तथा एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाईन करने के संबंध में संबंधितों को निर्देशित किया। इसी प्रकार गुरूवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बीजाडांडी का सीएमएचओ ने आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वीएचएनडी सेशन समय पर लगें, यदि किसी कारणवश समय पर नहीं लग पाए हैं, तो उन्हें भी लगाना सुनिश्चित करें।

बीजाडाण्डी पीएचई टीम ने किया क्लोरिनेशन

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंडला द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु पेयजल स्त्रोतों में जर्मेक्स डालकर क्लोरिनेशन कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को ब्लॉक स्तर पर गठित टीम द्वारा ब्लॉक बीजाडांडी के जमुनिया, मोइयानाला, धनवाही ब्लॉक नैनपुर के बंधा, सगोनिया, मक्के ब्लॉक मंडला के गुरारखेड़ा, मुगली, गुड़ा अंजनिया, सुरजपुरा, मधुपुरी, घुघरा, अमगवा ब्लॉक मोहगांव के पीपरदर्रा, खर्राछापर माल ब्लॉक निवास के मोहगांव, ग्वारा ब्लॉक घुघरी के डूंडी, सिमरिया में स्थापित समस्त पेयजल स्त्रोतों हैंडपंप, कुआं ट्यूबवेल में जर्मेक्स डालकर क्लोरिनेशन किया गया। साथ ही ग्रामीणों को पानी को उबालकर, छानकर, शुद्ध पानी पीने की समझाइश दी गई।

पिछले वर्ष 181 में की गई थी शिकायत आज भी कार्यवाही का इंतजार

नहीं हो रही अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही

* यात्री बसों की आवाजाही से दुर्घटना की आशंका।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज के मुख्य मार्ग से लेकर बस्ती के अंदर में मार्केट में विगत वर्षों से अतिक्रमण किया गया है जिसके कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है बार-बार पंचायत में आवेदन देने के बाद भी बीच सड़क में सब्जी के ठेले एवं आसपास दुकानदारों द्वारा कब्जा किए हुए हैं जिसके कारण चौड़ी रोड भी एक सकरी रोड में तब्दील हो गई है बीच में रोड में सब्जी के ठेले तो लगता ही हैं परंतु आसपास दुकानदारों द्वारा अवैध कब्जा जमाई हुए हैं जिससे निकलने में लोगों को परेशानी होती है सब्जी के ठेले लगे के कारण खराब सब्जियां बीच रोड में फैली रहती हैं जिससे पालतू जानवर आकर झुंड जमी रहती हैं जिसके कारण आए दिन घटना होती है लोगों को पालतू जानवर जख्मी कर रहे हैं आने-जाने में लोगों का परेशानी का सामना करना पड़ता है इस संबंध में बार-बार कार्यवाही होती है परंतु एक-दो दिन के बाद फिर से लोग अवैध कब्जा जमा हुए हैं इन ठेले वालों की इतनी मजाल की बस स्टैंड में भी ठेले लेकर खड़े हुए हैं इसी तरह बस स्टैंड से जनपद की ओर भी लोगों ने अवैध कब्जा जमाई हुए हैं बस स्टैंड में ठेले वालों की धमा चौकड़ी एवं ऑटो वाले द्वारा बीच रास्ते में खड़ा करने के कारण सोमवार की शाम को झगड़ा हो गया एक साइड दुकानदारों ने अवैध कब्जा जमा हुए हैं दूसरी तरफ चाट के ठेले बालों ने अवैध कब्जा बस स्टैंड में किए हुए हैं जिससे बसो का आना-जाना में परेशानी का सामना करना पड़ता है कई बार दुर्घटना होते हुए बज गई बस गाड़ी वाले बस मोड़ने में परेशानी होती है और कई बार तो लोग मोटरसाइकिल वाले जख्मी हो गए पर इन सब का उन अधिकारियों का कोई लेन देन नहीं है जो चुपचाप तमाशा देख रहे हैं इन पर सख्त कार्रवाई न होने के कारण मार्केट में अवस्था फैली हुई है जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है आए दिन यहां झगड़ा झांसे एवं एक्सीडेंट होता रहता है जिनके घर में मौत मिट्टी होती है वह पहले जाकर पाल पर्दे बालों से हाथ जोड़कर बोलते हैं कि अलग कर दो यहां से शमशान घाट तक जाना है इस कदर तक आक्रमणकारियों ने कब्जा जमाए हुए हैं पर संबंधित अधिकारी सपोर्ट ध्यान नहीं देते इस संबंध में कारी 1 साल से 181 लगाई गई है परंतु अभी तक पूर्ण कार्यवाही नहीं हुई इसी संबंध में अन्य लोगों ने भी 181 लगाई हुई है परंतु आज तक उसका हाल नहीं हो पाया और दिनों दिन अवस्थाएं फैलती जा रही हैं शायद कोई बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है इसलिए अभी तक इन अवैध अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्रवाई न होने कारण उनके हौसले बुलंद हैं अतः जिला कलेक्टर महोदय एवं संबंधी अधिकारों से निवेदन है कि तत्काल ठोस कार्रवाई की जावे।

दर्शन करते ही कटते सभी पाप, होती मनोकामना पूर्ण

* प्रत्येक कल्प में रहता माँ रेवा का आस्तित्व।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पीपल घाट में चल रही श्री नर्मदा महापुराण का श्रवण कराते हुये अनिल पाराशर शास्त्री जी ने बताया कि एक मात्र नदी श्री नर्मदा हैं जिनकी परिक्रमा की जाती है जिनका महापुराण श्रवण कराया जाता है यही एक मात्र देवकन्या हैं जो प्रत्येक कल्प में रहती आई हैं प्रलय के समय एवं प्रलय के बाद भी इनका आस्तित्व रहा है कहने का आशय यह है कि सृष्टि के विनाश के बाद भी माँ नर्मदा का आस्तित्व कायम रहता है शास्त्री जी ने बताया कि मार्कण्डेय जी ने जिन्हें अमृत्व का वरदान मिला है उन्होंने प्रत्येक कल्प में माँ रेवा के दर्शन किये हैं उन्हें देखा है तभी वे उनकी गाथा गाते हैं उन्होंने ही पहले माँ नर्मदा की प्रदक्षिणा की जो आज भी अनवरत जारी है।

खण्डवा के धूनी वाले दादा जी की कथा का श्रवण कराते हुये शास्त्री जी ने बताया कि कैसें गौरी शंकर महाराज की भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने की अभिलाषा माँ नर्मदा के तट पर पहुंचते ही पूरी हो जाती है यह बात और है कि हम सांस्कारिक दृष्टि से उस मनोकामना को पूर्ण होते नहीं देख पाते इसके लिये भगवत कृपा एवं देवदृष्टि आवश्यक होती है आज कलश यात्रा के साथ श्री नर्मदा महापुराण का आयोजन प्रारंभ हुआ जो 19 जून तक चलेगा। रोजाना दोपहर 01 बजे से कथा प्रारंभ होगी।

सीवरेज निर्माण का अभिशाप भुगत रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नगर में वर्षो से चल रहे सीवरेज नाली निर्माण से नगरवासियों को क्या फायदा होने वाला है यह बताने वाला तो कोई नहीं लेकिन इस निर्माण कार्य का दंश अवश्य पिछले कुछ वर्षो नगरवासी लगातार झेल रहे हैं।

नगर का शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां के लोग इस निर्माण कार्य से पीड़ित न रहे हों और न हो रहे हों यहां तक कि कलेक्टर बंगले के सामने की सड़क भी इस सीवरेज के उच्च निर्माण की कलई खोल चुकी है। सड़क पर रातो-रात हुये बड़े गड्ढे ने जिले में विकास की नई परिभाषा कायम की थी।

नगर से लगी पंचायतों में भी यही स्थिति रही है बल्कि इससे ज्यादा खराब रही है सड़कों की जो दुर्दशा इस निर्माण के चलते हुई है वह किसी से छुपी हुई नहीं है जो सड़कें पिछले 40-50 वर्षो से बेहतर स्थिति में कायम रहीं हैं वे आज अपनी दुर्दशा की कहानी बयां कर रहीं हैं।

नगर की मुख्य सड़क हो या फिर अंदर की गलियाँ, सीवरेज निर्माण करने वालों का जहां मन हुआ जब मन हुआ सड़कों को खोद देते हैं और फिर उनका निर्माण नहीं करते स्थिति यह होती है कि आते-जाते वाहनों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। पिछले दिनों ऐसी ही स्थिति उस समय निर्मित हुई जब अनाज से भरा एक ट्रक इसी सीवरेज निर्माण करने वालों के द्वारा किये गये गड्ढे पर जा फंसी वह तो गनीमत थी कि किसी तरह वाहन चालक ने वाहन को पलटने से बचाया अन्यथा अगल-बगल से चल रहे लोगों की जान पर बन आती। ट्रक के इस तरह फंस जाने पर ट्रक में भरा अनाज दूसरे वाहनों के माध्यम से खाली कराया गया तब कहीं जाकर ट्रक को निकाला जा सका इस तरह जहां समय बर्बाद हुआ वहीं अनाज की भी बर्बादी इन निर्माणकर्ताओं के द्वारा हुई।

अंर्तराष्ट्रीय विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला। अंर्तराष्ट्रीय विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय बालश्रम टास्कफोर्स समिति के सदस्यों की उपस्थिति में जिले के विभिन्न चिन्हित स्थानों पर जन-जागरण अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थानों में पम्पलेट चस्पा किये गये तथा हिदायत दी गई कि बाल श्रमिकों से कार्य न कराया जावे। बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर उक्त अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत जुर्माना 20,000 रूपये से 50,000 रूपये तक अथवा 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास अथवा दोनों से दण्डित किये जाने का प्रावधान है।

भ्रष्टाचार | **राशि कहाँ गई पता नहीं, एक सड़क अधूरी दूसरी बनी ही नहीं।**

वन समिति में हुआ गड़बड़झाला

* शिकायत वापिस लेने का बन रहा दबाव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

इन दिनों लगातार वन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है, कहीं अवैध वृक्ष कटाई का मामला सामने रहता है तो कहीं मजदूरों के भुगतान में लापरवाही उजागर होती है तो कहीं निर्माण कार्यो पर सवाल उठते हैं। वन विभाग का एक ताजा मामला प्रकाश में आया है पूर्व सामान्यं वनमण्डंल के मोतीनाला परिक्षेत्र के अधीनस्थं घुघरी ब्लॉक का वनग्राम घुरघुटी एवं घोरेघाट यहाँ वन समिति गठित है लेकिन वर्षों से समिति सदस्यों को अध्यक्ष एवं विभाग द्वारा आय-व्यय का हिसाब नहीं बताया गया है जिसकी शिकायत सदस्यों व वनग्राम के पीडित लोगों द्वारा कलेक्टर से करते हुए बताया गया कि ग्राम घुरघुटी में जंगल की ओर जाने के लिए एक किमी दूरी की ग्रेवल रोड का निर्माण होना था किन्तु, यह रोड केवल 150 मीटर तक ही बनायी गई है। इसी तरह स्कूलटोला से खेरमाई होते हुए पटपरटोला तालाब तक 700 मी. की रोड का प्रस्ताव किया गया था लेकिन इस रोड का कार्य आज तक शुरू ही नहीं हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त दोनों रोड के लिए 31 लाख रूपये स्वीकृत हुए थे लेकिन राशि कहाँ गई पता ही नहीं है। वन विभाग के बीटगार्ड तारेन्द्र राय पर आरोप लगाये गए है कि वन समिति घुरघुटी अध्यक्ष भगत सिंह धुर्वे एवं वन समिति घोरेघाट अध्यक्ष बुधसिंह सैयाम की मिलीभगत से परिक्षेत्र अधिकारी अभय पाण्डे के संरक्षण में मनमानी की जा रही है। शिकायत पत्र पर उल्लेख किया गया है कि वन समिति सदस्यों से दो माह पूर्व सौ-सौ रूपये वसूला गया है और कहा गया था कि शासन की योजना अनुसार प्रत्येक सदस्य के खाते में पॉच हजार रूपये डाले जायेंगे लेकिन यह राशि आज तक नहीं मिली। इसी तरह वनग्राम में शासन द्वारा मिलने वाले अन्य लाभ जैसे समतलीकरण, खेत तालाब, सीसी रोड आदि का लाभ भी नहीं दिया जा रहा है। और अब दिनांक 11 जून को बीट गार्ड द्वारा गांव में पहुंचकर शिकायत वापस लेने का दवाब बनाया गया किन्तु पीडितों द्वारा मॉग की गई है कि उक्त मामले की शीघ्र निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों के विरूध्द दण्डात्मक कार्यवाही की जाये।

मोदी सरकार ने दी सेवा, सुशासन और सुरक्षा को प्राथमिकताः सुमित्रा वाल्मीकि

* मोदी सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंडला में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता, 11 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी और प्रोफेशनल मीट आयोजित किए गए, जिसमें मोदी सरकार की उपलब्धियों को जनता के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि उपस्थित रहीं। प्रोफेशनल मीट के दौरान अहमदाबाद विमान दुर्घटना की खबर आने पर कार्यक्रम को बीच में ही समाप्त कर दिया गया। इस दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सहित यात्रियों, क्रू मेंबर और डॉक्टरों के निधन पर संवेदना प्रकट करते हुए मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विकसित भारत के लिए समर्पित मोदी सरकार

इसके पूर्व भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा हुई। इसके बाद नगर पालिका परिसर में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शाम को टाउन हॉल में प्रोफेशनल मीट हुई, जिसमें राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम और जयदत्त झा वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। उन्होंने ₹विकसित भारत के लिए समर्पित मोदी सरकार₹ की थीम पर चर्चा करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने सेवा, सुशासन और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। ऑपरेशन सिंदूर, गंगा और वंदे भारत मिशन जैसे प्रयासों ने वैश्विक स्तर पर भारत की ताकत दिखाई। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीकों जैसे एस-400, ब्रह्मोस और तेजस के साथ भारत आत्मनिर्भर बन रहा है, और रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंचा है।

सरकार की योजनाओं ने आमजन के जीवन को बेहतर बनाया

आर्थिक क्षेत्र में भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। यूपीआई लेनदेन 24 लाख करोड़ रुपये और इंटरनेट उपयोगकर्ता 97 करोड़ तक पहुंचे हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे, जिससे भ्रष्टाचार कम हुआ। नक्सल प्रभावित जिले घटकर गिनती के रह गए हैं, और चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। महिला सशक्तिकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, और पर्यावरण संरक्षण में भी सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए। आयुष्मान भारत योजना, उड़ान योजना और स्वच्छ भारत अभियान ने आम जनता के जीवन को बेहतर बनाया। इन उपलब्धियों को प्रदर्शनी और प्रोफेशनल मीट में विस्तार से दर्शाया गया।

प्रोफेशनल मीट के दौरान मंच संचालन उर्वशी राय ने किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगर मंडल अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, रोचीराम गुरवानी, जयदत्त झा, नरेश चंद्रोल, डॉ विजय आनंद मरावी सहित नगर के गणमान्य नागरिक जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, पतंजलि समिति सदस्य, गायत्री परिवार, धर्मगुरु, उद्यमी, विभिन्न समाजों के प्रमुख, मेडिकल एसोसिएशन, चार्टर्ड अकाउंटेंट, समाजसेवी, पूर्व सैनिक, पर्यावरणविद, मातृशक्ति एवं अन्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जब सरकारी कार्यालयों में अधिकारी ही नहीं होंगे तो फिर शासन की योजनाओं का लाभ मिलने की कल्पना कहां तक संभव हो सकती है...?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रों के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं को जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागों में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्देश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सवाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन होने के बाद भी शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है। निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्पी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होते से नही चूक पा रहा है, क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होना का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था, मगर जब उन पदों पर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ही नही होगे तो फिर शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल पाना मात्र एक कल्पना के आलवा और कुछ साबित होने वाला नही है?

ग्रामीण सड़कों से निकल रहे भारी भरकम वाहनों के चलते टूट रही सड़क, आम लोगों की जान के लिए बना खतरा

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण तो किया जा रहा है, मगर वह सड़क निर्मित होने के चंद दिनों बाद जिस प्रकार से टूट रही है उसका प्रमुख कारण यह है कि प्रभावशालियों के दौड़ रहे भारी भरकम डम्फरों की मार जहां यह सड़क सहन नही कर पा रही है। वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा होने से भी नही बच पा रहा है।

ठेकेदार की मनमानी के चलते ग्रामीणों को होना पड़ रहा है परेशान

पांच साल की अवधि में चल रही सहावन से केसला प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क की सच्चाई उजागर

शासन के रिकार्ड में डामरीकृत सड़क के नाम पर दर्ज इस सड़क पर डामर खोजों तो जाने की बनी हुई स्थिति....

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

निश्चित तौर से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को लेकर जहां सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुये पक्की सड़को का निर्माण करा रही है। मगर गांव गांव बनाये जाने वाले इन मार्गो की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो निर्माण कार्य करने वाली कंपनी व क्षेत्र के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों की अनदेखी का परिणाम है कि करोड़ो रूपया की लागत से बनाई जाने वाली यह सड़क पांच वर्ष का कार्यकाल करने की बात तो दूर अपना एक जन्म दिन तक नही मनाते हुये नजर नही आ रही है? इस स्थिति में अधिकारियों की मिली भगत का परेशान है कि गांवों में बनाई जाने वाली सड़क जिस तरह गफलताबजी की भेंट चढ़ाने के साथ शासन की राशि की खुलेआम होली खिलते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है..? क्योंकि शासन की योजना के तहत जब किसी सड़क का निर्माण किसी निजी कंपनी द्वारा भले ही किया जाता है। मगर उसकी निर्माण के दौरान संपूर्ण देखरेख की जिम्मेदारी संबंधित विभाग के अधिकारियों की होती है। जब तक संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उसके निर्माण की गुणवत्ता पन अपनी ओर से संतुष्टि प्रदान नही की जाती है तब तक उस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण नही माना जाता है। वही संबंधित विभाग द्वारा संतुष्टी प्रदान करने के बाद ही निर्माण कार्य करने वाली कंपनी को शासन द्वारा भुगतान किया जाता है। मगर गांवों में संबंधित विभाग सहित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी कही जावे या फिर मिली भगत का परिणाम है कि बनाई जाने वाली सड़क पांच वर्ष का कार्य काल पूर्ण करने की बात तो दूर अपने निर्माण का एक वर्ष तक पूर्ण करने से नही चूकते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय पांच वर्ष के संधारण अवधि में चल रही ग्राम सहावन से केसला के बीच बनी हुई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क का हाल देखने मिल रहा है जहां पर सड़क का हाल यह बना हुआ है कि कागजों में तो यह सड़क डामरीकृत है। मगर इस सड़क पर यदि कोई डामर के दर्शन करा देवे तो वह पुरूस्कार का हकदार बनने से नही चूक पायेगा..? बताया जाता है कि इस प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 2.3 किलोमीटर लम्बाई बाली इस सड़क का निर्माण कार्य दिनांक 2 सितम्बर 2016 से शुरू होकर 1 दिसम्बर 2017 में पूर्ण हुआ था। वही इस सड़क के निर्माण की लागत निर्माण के दौरान मौके पर स्थापित किये गये वोर्ड के अनुसार अनुमानित तौर पर 100.4 लाख रूपया अंकित की गई थी। वही सड़क की गारंटी निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की पांच साल की बताई गई थी। वही सड़क का निर्माण कार्य श्रीराम कस्ट्रक्शन कंपनी महावीरपुरा मुरैना द्वारा किया गया था। इस तरह यह सड़क अपने निर्माण के चंद दिवस बाद ही जहां टूटते हुये नजर आने लगी थी। इस स्थिति में निर्माण कार्य के दौरान कंपनी द्वारा अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी उजागर होने के बाद भी जिम्मेदारों द्वारा किसी तरह से कोई कार्यवाही करना उचित नही समझे जाने का परिणाम है कि पांच साल होते हुये यह सड़ लगभग गायब ही नजर आने से नही चूक पा रही थी। इस तरह निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की गारंटी अवधि जहां 14 जुलाई 2022 को पूर्ण होने के बाद बीते हुये 12 अप्रैल 2023 से 11 अप्रैल 2028 तक के लिये इस सड़क आगामी पांच साल के लिये संधारण व रख रखाव की जिम्मेदारी में विराट इन्फा प्रो. नागोद जिला सतना के जिम्मे सौपी गई है। संधारण व रख रखाव के लिये शासन द्वारा 85.93 लाख की राशि स्वीकृत करते हुये क्रियान्वयन एजेन्सी म.प्र.ग्रा.स. वि. प्रा. पी. आई.यु के तहत निर्धारित की गई है। इस तरह मौके पर स्थापित किये गये वोर्ड के अनुसार पांच वर्ष के रख रखाव के दौरान इस सड़क में संधारण करने वाली कंपनी को 4.69 लाख रूपया की राशि स्वीकृत होना बताया जा रहा है..? इस तरह संधारण अवधि के तहत सड़क की कुल लम्बाई 2.233 किमी है। जिसमें डामरीक्रत लम्बाई 1.961 व सीसी 0.272 किमी बताई गई है। वही पुलियों की संख्या 4 है। संधारण के दौरान जहां घास व झाडियों को काटने की का कार्य व रेनकटस में सुधार साल एक वार वर्षा के उपरांत तथा शोल्डरों में सुधार एवं पार्ट होल एवं क्रेक भरना जब जैसी जरूरत हो उसी प्रकार से तथा सड़क के किनारे नाली का संधारण कार्य व पुल पुलियों का सुधार वर्ष में दो बार करना है। वही रोड फनीर्चर का संधारण जरूरत के हिसाब तो पुलियों में रैलिंग व दीवार की पुताई वर्ष में दो बार करने की जिम्मेदारी बताई जा रही है। इस प्रकार से यह सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी के गारंटी अवधि के बाद संधारण करने वाली कंपनी के जिम्मे हुये एक साल का समय बीते जाने के बाद सुधार कार्य के नाम पर सड़क की सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि इस सड़क पर डामर खोजो तो जाने...? इस तरह ग्रामीणों की सुविधा के नाम पर बनाई गई इस सड़क का संधारण पूर्णरूप से सिर्फ कागजों में ही चलते हुये दिखाई दे रहा है..? मगर हैरत की बात है कि इस ओर न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा किसी प्रकार से ध्यान देना उचित समझा जा रही है और न ही सड़को की देखरेखी करने वाले विभाग के अधिकारियों द्वारा जिसका परिणाम है कि शासन की राशि सड़क संधारण के नाम पर कागजों में तो खर्च करते हुये सड़को चमकाया जा रहा है। मगर मौके पर ग्रामीणों को पक्की सड़क दिन के उजारे में भी खोज पाना मुश्किल होने से नही चूक रहा है। इस तरह डामरयुक्त सड़क के बीच में डामर खोजो तो जाने की स्थिति देखने मिल रही है..? वही संपूर्ण सड़क में जगह जगह बने हुये गडडों के बीच वाहन चलाना मुश्किल होने से नही चूक पा रहा है। इस तरह मौके पर स्थापित वोर्ड के अनुसार तो इस सड़क के संधारण के अवधि को एक साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी सुधार कार्य न होना निश्चित तौर से संबंधित विभाग के अधिकारियों व संधारण का जिम्मेदार कंपनी के बीच मिली भगत के संकेत देने से नही चूक रहा है..? इस तरह मौके पर लगे हुये वोर्ड के अनुसार इस सड़क की सच्चाई पर यदि जांच कराई जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी। क्योंकि सही मायने में देखा जावे तो अभी इस सड़क रख रखाब का पहला साल ही बीता हुआ हैं और मौके से जिस तरह सड़क गायब नजर आ रही उसे देखते हुये तो यह जान पड़ रहा है कि मानों सड़क का संधारण मात्र कागजों पर ही पूर्ण होने के चलते ग्रामीणों का परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इस संबंध में जब ग्रामीणों से चर्चा की गई तो ग्राम सहावन निवासी भगवादास वर्मा सरंपच का कहना है कि जिस इस सड़क का निर्माण हुआ था उसके कुछ साल बाद ही गड्ढे निकलना शुरू हो चुके थें। जबकि उस समय निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की पांच साल की गारंटी थी। मगर अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिये जाने से पांच निकलते हुये सड़क ही गायब हो चुकी थी। वही ग्राम सहावन ही निवासी गौरव वर्मा का कहना है कि मौके पर लगे हुये वोर्ड के अनुसार तो संधारण करने वाली कंपनी को समय समय पर सड़क की देखरेख करने की जिम्मेदारी बताई जा रही है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब मौके पर सड़क ही नही है तो फिर इस तरह झूठा वोर्ड स्थापित करने का क्या औचित्य। वही ग्राम केसला निवासी मुन्ना लाल धानक का कहना है कि आठ साल पहले जब सड़क का निर्माण हुआ था उस समय इस सड़क पर कुछ दिनों तक डामर देखने मिला है। मगर मात्र चंद माहों के बाद जिस तरह सड़क का टूटना शुरू हुआ तो दो तीन साल के अंदर पूरी सड़क से डामर गायब होने के बाद आज तक किसी तरह से सुधार होते हुये देखने नही मिला है। वही केशला ही निवासी दिनेश विश्वकर्मा का कहना है कि सरकार द्वारा हम ग्रामीणों की सुविधा के लिये जहां ग्राम सहावन से केसला तक सड़क बनाने के नाम पर लाखों रूपया तो खर्च किये गये है। मगर संबंधित विभाग से लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा गफलत बाजी का खेल खेलते हुये सरकारी धन की होली खेली गई है उसका परिणाम है कि जहां निर्माण के चंद माह उपरांत सड़क उखड़कर फिक चुकी थी। वही अब संधारण सड़क रख रखाव के नाम पर वोर्ड तो स्थापित कर दिया गया है। मगर आज तक सड़क पर सुधार कार्य होते हुये देखने नही मिला है। सड़क की हालत इस तरह बनी है कि डामर खोजने से नही मिल पायेगा। इस तरह टूट चुकी सड़क के रख रखाव के नाम पर सरकार द्वारा पैसा कागजों में जरूर खर्च हो रहा होगा..? मगर मौके पर सुधार कार्य की बात तो दूर सड़क ही नजर नही आ रही है तो संधारण करने वाली कंपनी द्वारा किस सड़क का रख रखाव किया जा रहा होगा उसके भगवान ही जाने...? इस प्रकार से ग्रामीणों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये 8 साल पहले लाखों रूपया की लागत से बनाई गई ग्राम सहावन से केसला के बीच सड़क जहां अपने निर्माण के चंद दिनों उपरांत ही टूटना शुरू हो चुकी थी जिसकी सच्चाई को हरिभूमि द्वारा प्राथमिकता के साथ उजागर किया गया था। वही निर्माण करने वाली कंपनी के गारंटी अवधि के दौरान ही सड़क से डामरू गायब हो चुका था। वही दूसरी ओर गायब हो चुकी इस सड़क पर सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये रख रखाव किया जा रहा है वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ इस सड़क पर हो रही बडे स्तर की गफलबाजी को उजागर करने से नही चूक रहा है..?

मेढ़ बंधान योजना की मलाई से लाल पड़ रहे अधिकारी व पंचायतों के जनप्रतिनिधि, शिकायत के बाद जांच के नाम पर निभा ली जाती है मात्र औपचारिकता..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर शासन द्वारा आमजन व किसानों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक योजनाएं चलाकर उनका भला किया जा रहा है। मगर योजनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र कागजों तक ही सीमित रहते हुये नजर आ रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित होने वाली मेढ़ बंधान योजना में भी दिखाई पड़ रही है..? बताया जाता है कि इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर किये जाने वाले पंचायतों द्वारा मेंढ बंधान योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहते हुए देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर पंचायतों द्वारा किसानों के खेतो पर जिस प्रकार से मेढ़ बंधान कार्य कराते हुए पैसा निकाला गया है। बताया जाता है कि शासन की मेढ़ बंधान के कार्यो में जमकर अनियमितातायों जानकारियाँ मिलना अब आम बात हो चुकी है, जिसकी मलाई से जहां पंचायतों के जनप्रतिनिधि लाल पड़ रहे है और वही अधिकारी भी काजू कतरी खाने से नही चूक रहे है..? क्योंकि जहां एक तरफ शासन लाखों करोड़ों रूपये मेढ बंधान के नाम पर खर्च कर रही वही दूसरी ओर यह कार्य जनपद स्तर के अधिकारियों के सहयोग व सरपंच सचिव की कार गुजरियों के चलते यह योजना कागजों में ज्यादा शोभा बढा रही है। बताया जाता है कि बैंको में मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था तो शासन द्वारा की गई। किंतु बैंकों में ऐसे खातें भी खोले गये है जो ग्रामों के वह प्रभावशाली व संपन्न कृषक शामिल है जो कभी पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यो में जाकर खड़े तक नही होते है। किंतु बैंको में सबसे पहले भुगतान इन्ही का होते हुये देखा जा रहा है..? क्योंकि अनेक पंचायतों में अधिकारियों व ग्राहक सेवा केन्द्र के नाम पर संचालित होने वाली क्यूसक बैकों के माध्यम से पंचायतों में इसी तरह गोलमाल किये किये जाने की चर्चाए लगातार सुनााई दे रही है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक पंचायतो के रिकार्ड में मेढ बंधान के कार्य व भुगतान ऐसे कृषकों के नाम पर भी दर्ज है जिनके खेतों में मेढ़ बधान का कार्य ही नही हुआ है..? यही नही इन कार्यो का मूल्यांकन भी संबंधित अधिकारी मौके पर न जाकर जनपद में ही बैठकर कर रहे है? यदि मस्टर रोल में दर्ज नाम व पंचायतों की भुगतान पर्ची की निष्पक्ष जांच हो जाये तो सारी स्थिति अपने आप ही स्पष्ट हो जावेगी की किस तरह मेढ बंधान के कार्यो में बंदर बाट चल रह है, जिससे पंचायतों के सरपंचों सहित विभागीय अधिकारियों के चेहरा भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे? यदि क्षेत्र की पंचातयों की सच्चाई देखी जावे तो अनेक पंचातयों में रोजगार गारंटी योजना के कार्यो में भी सैकड़ों की तादाद में फर्जी जाब कार्ड भरकर उन खातेदारों के खातों में राशि जमाकर बंदर बाट होने संबंधी शिकायत आये दिन ग्रामीणों द्वारा किये जाने के बाद भी जांच करने की जगह अधिकारियों द्वारा सरपंच सचिव से सीधे संपर्क कर संबंधित अधिकारी अपने स्वार्थ की रोटी सेक लेतें है? इतना ही नही जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि यदि किसी पंचायत की शिकायत हो जाती है तो अधिकारी के लिए अतिरक्त आय का दरबाजा खुल जाता है? ऐसे प्रकरण क्षेत्र की पंचायतों में आये दिन सुनने को मिलते रहते है? क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक पंचायतों का हाल बेहाल है, जहां धनवान व सपन्न कृषक बैंको से मजदूर बन कर भुगतान ले रहे है और वास्तविक मजदूरो का शोषण हो रहा है, जिसे सही मायने में देखा जावे तो सरकार की अधिकांश योजनाएं कागजो में ज्यादा शोभा बढ़ा रही है? ऐसा नही है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को नही है, यह सब पंचायती राज की लक्ष्मी लीला अधिकारियों की मिलीभगत की ही देन का परिणाम है कि साईकिलों पर सबार होकर चुनाव लड़ने वाले अनेक पंचातयों के सरपंच चंद वर्षो में स्कार्पियों पर घूमते हुए दिखाई देने लगते है, जिसके चलते शासन की राशि का अधिकारियों की मिलीभगत के चलते बंदरबांट होते हुए दिखाई देने लगा है?

सुनीता पटैल के धरना में संजय शर्मा ने पहुंचकर दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। किसानों की गर्मी सीजन की मूंग इस वर्ष शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद नही किये जाने के चलते जहां किसानों को अपने खून पसीने की कमाई ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। हाल यह बना हुआ है कि किसानों द्वारा मूंग फसल तैयार करने में लगाई गई लागत भी खड़ी होते हुये दिखाई नही दे रही है। बीते हुये जब प्रदेश के मुख्यमंत्री का गाडरवारा आगमन हुआ था तो उम्मीद थी कि शायद उनके द्वारा किसानों की मूंग फसल खरीदने की घोषणा की जावेगी। मगर किसी तरह से घोषणा नही किये जाने को लेकर क्षेत्र की पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा किसानों के हितों की मांग करते हुये मंडी के सामने अनिश्चित कालीन धरना देते हुये प्रदेश सरकार से किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग की जा रही है। इस प्रकार से बीते हुये तीन दिनों से सुनीता पटैल द्वारा दिये जा रहे धरने में गुरूवार को तेंदूखेड़ा क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय शर्मा ने पहुंचकर किसानों के हितों को लेकर अपना समर्थन देते हुये कहा कि जब तक किसानों की यह मांग पूरी नही होती है तब तक कांग्रेस इस लड़ाई को लड़ती रहेगी। वही सुनीता पटैल द्वारा किसान हित को लेकर शुरू की गई इस लड़ाई में पूरा सहयोग प्रदान किया जावेगा।

इस सच्चाई के चलते अपने साथ दूसरों की जिन्दगी को भी पहुंचाते है खतरा, प्रशासन की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात में सुधार लाने की बात को लेकर चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है, जिसमें अनेक इस प्रकार के लोगों के खिलाफ भी पुलिस द्वारा अपनी चालानी कार्यवाही करने से नही चूकती है जो किसी भूलवस अपने वाहनों के जरूरी कागज घरों पर भूल जाते है और उन्हें पुलिस की इस कार्यवाही का शिकार होना पड़ता है? मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस द्वारा उन लोगों को पूर्णरूप से नजर अंदाज कर दिया जाता है जो एक बाइक पर तीन की जगह खुलेआम चार चार लोग बैठते हुये जहां यातायात नियमों की धज्जिया तो उडाते हुये देखे ही जाते है साथ ही साथ अपनी व दूसरों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूकते है? इस बात की सच्चाई बीते दिवस नगर के मुख्य बाजार में उस समय देखने मिली जब एक बाईक पर चार लोग बैठते हुये पुलिस थाने के ठीक सामने से निकलकर बाजार तक पहुंच गये पर पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कार्यवाही करने की बात तो दूर उन्हें रोककर हितायद देना भी जरूरी नही समझा? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यदि इस प्रकार के वाहनों के माध्यम से कोई सड़क घटना घटित हो जाती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्योंकि इस प्रकार से वाहनों के संचालन को पुलिस प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि वाहन चालक खुद के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को भी खतरा पैदा करने से नही चूक रहे है, मगर इसके भी पुलिस द्वारा इस सच्चाई को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होना आम बात होता जा रहा है।

सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव लोग आज भी कच्चे रास्ते से गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्क्ी सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाई्र पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्क्ी सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशाानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है, जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि लगभग एक हजार की आवादी बाले क्षेत्र के ग्राम में पक्की सड़क की सुविधा न होने से विद्यााार्थियों के साथ ग्रामीणों को रोड तक आने में दिक्कतों का सामना करते है, ग्रामीण की मांग है कि जल्द ही गॉव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाये।

समस्याएं हल न होने से निराश शहर के कुम्भकार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भीषण गर्मी के चल रहे दौर में कंठो की अपने ठंडे जल से प्यास बुझाने वाले मटको, सुराहियों की जमकर पूछ परख हो रही है। शहर के कुम्भकारों के घरों से लोग मटके खरीदकर ले जा रहे है और बाहर से आकर भी कुम्भकार पिछले वर्ष की तुलना में विभिन्न आकार प्रकार वाले मटकों की कीमतों में आश्चर्य में डालनें वाला उछाल आने से बड़ी हिम्मत करके शहरवासी देशी फ्रिज खरीद रहे है। कुम्भकारों का कहना है कि मटके महॅगा बेचना इस साल उनकी मजबूरी है। क्योंकि उन्हे आसानी से लकड़ी मिट्टी नही मिल रही है और सरकार की उपेक्षा के चलते उन्हे जिन्दगी बसर करने दूभर हो रहा है। कामथ वार्ड में निवास करने वाले युवा कुम्भकारों ने बताया कि उनके घरो में पीढ़ियों सें मिट्टी के वर्तन, दीपक, देवी देवताओं की मूर्तियॉ बनाने का काम होता आ रहा है, किंतु साल दर साल लकड़ी और मिट्टी के वर्तन बनाने की उपयोगी सामग्री महॅगी होती जा रही है, जिससे ग्राहकी प्रभावित होने के साथ उनकी समस्याऍ भी बढ़ती जा रही है। कुम्भकारों की सुध सरकार नही ले रही है और अभी तक शासन स्तर पर उनकी पंचायत न बुलाते हुए प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा रहा है। कुम्भकारों ने प्रशासन से मॉग है कि उन्हे संवेदन शील ढंग से सस्ती मिट्टी, लकड़ी, बॉस उपलब्ध कराने की दिशा में पहल करें ताकि कम्भकारों के घरों में पिछड़ेपन का जो अॅधेरा व्याप्त है, वह छॅट सके।

नगर के पुराना बस स्टेन्ड क्षेत्र में आये दिन जाम लगने से हो रही लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि प्रशासन द्वारा नगर में हर वर्ष अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है। मगर इस मुहिम का परिणाम इस प्रकार से देखने मिला है कि प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे मोटे लोगों को हटाते हुए बड़े प्रभावशाली लोगों को जिस प्रकार से अभयदान दिया जाता है कि उसके चलते न तो नगर को अतिक्रमण से मुक्ति मिल पा रही है और न ही नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार देखने मिल रहा है। क्योंकि अतिक्रमण के चलते खाली होने वाली भूमि को भी प्रशासन द्वारा सुरक्षित करने में बरती जाने वाली कोताही का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी चंद दिनों बात उस स्थल पर पुनः अपना कब्जा जमाने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पुराना बस स्टेन्ड के पास देखने मिल रही है, जहां पर मुख्य मार्ग सहित सड़क के आसपास हुये अतिक्रमण का परिणाम है कि इस क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है। इतना ही नही इस क्षेत्र में यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ लोगों द्वारा नाली पर तक पक्का निर्माण करते हुए अपना कब्जा जमा लिया गया है, जिसके चलते बताया जाता है कि उनके पास पट्टा है। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नाली के ऊपर निर्माण करने के लिए पट्टा प्रदान किया जा सकता है जो जांच का विषय बना हुआ है? वही दूसरी ओर इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य जहां अभी आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनते हुये देखे जा रहे है तो फिर बारिश के दिनों में क्या हाल होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है?

खबर संक्षेप

घेराबंदी कर पांच जुआरियों को भालूमाड़ा पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की पुलिस टीम द्वारा 11 जून को मुखबिर की सूचना कि ग्राम पयारी में अंधेरे में मोबाईल की लाईट जलाकर कुछ जुआडियान 52 ताश के पत्तो पर रुपयो पैसो से हार- जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है जिस पर थाना भालूमाडा की स्टाफ ने अपनी तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर 05 जुआडियों को 52 ताश के पत्तों से जुआ खेलते पाये गये जिनके कब्जे व फड से तास के 52 पत्ते व नगदी 4520 रू. जप्त कर उनके विरुद्ध के अप.क्र 262/2025 धारा 13 जुआं एक्ट का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी श्रवण कुमार पिता स्व गोणे लाल गुप्ता उम्र 45 साल, मनोज कुमार दुबे पिता राम खेलावन दुबे उम्र 37 साल, जगदीश प्रसाद केवट पिता मनीराम केवट उम्र 47 साल, बृजेश कुमार केवट पिता अमृत लाल केवट उम्र 29 साल, छंगे लाल गुप्ता पिता स्व श्री प्यारे लाल गुप्ता उम्र 65 साल सभी निवासी ग्राम पयारी न 2 थाना भालूमाडा पकडे गये।

मारुति के जोरदार टक्कर से बैलगाड़ी चालक गंभीर रूप से घायल, मवेशी की मौत

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। गुरूवार की सुबह करीब 6 अनूपपुर की तरफ से आ रही मारुति बैलगाड़ी को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बैलगाड़ी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और बैलगाड़ी चारों तरफ टूट कर बिखर गया दूर-दूर तक जाकर गिरा। और बैलगाड़ी मवेशी तुरंत रोड पर खत्म हो गये। टक्कर इतना जबरदस्त था दूर-दूर तक आवाज गई तुरंत स्थानीय निवासी सैकड़ो लोगों में भीड़ जम गई और ड्राइवर से मारपीट होने लगा जिस पर पुलिस प्रशासन ने आकर शांत कराया। बैलगाड़ी मालिक द्वारा बताया जा रहा है करीब 50000 से ऊपर का नुकसान हुआ है और मेरा पुत्र गंभीर रूप से घायल है जो घर में एक ही कमाने वाला था मैं कई दिनों से बीमार हूं।

नर्मदा पुष्कर बांध में 24 घंटे का अखंड शिव नाम धुन प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के पुष्कर बांध नर्मदा नदी के पावन तट में पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्रांतर्गत ग्राम बेंदी के भक्त श्रद्धालुओं के द्वारा 12 जून आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा मूल नक्षत्र से प्रातः काल 10 बजे से 24 घंटे का शिव नाम धुन अखंड भजन कीर्तन पूरे विधि विधान परंपरागत ढंग से पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ हो गया। 24 घंटे का अखंड शिव नाम धुन का आयोजन बेंदी निवासी लाला यादव के द्वारा कराया जा रहा है। उक्त धार्मिक आध्यात्मिक अखंड शिव नाम धुन में लगभग 35 महिला पुरुष भक्त श्रद्धालु गण पूरे भक्ति भाव तन्मयता के साथ नाच गाकर भजन कीर्तन कर रहे हैं इस दौरान भक्त श्रद्धालु गण भजन कीर्तन में पूर्णतया तल्लीन हो जाते हैं वाद्य यंत्र बजाकर तथा साउंड बॉक्स के साथ नाच गाकर शिव नाम धुन का उच्चारण कर रहे हैं। इस दौरान सभी मंडली के सदस्य भाव विभोर होकर नृत्य करते हैं तथा घूम-घूम कर शिव नाम धुन बोलते हैं। भक्त प्रेमियों की भीड़ लगी हुई है। उल्लेखनीय है कि पुष्कर बांध के नर्मदा तट में 24 घंटे का अखंड भजन कीर्तन शिव नाम धुन में बेंदी ग्राम के भक्त श्रद्धालु गणों में प्रमुख रूप से शिवनाथ मार्को दादूराम सिंह अर्जुन यादव भानु प्रताप सिंह रामचरण सिंह श्याम रामकुमार यादव तिहारू सिंह तथा दारा सिंह सोसाइटी कर्मचारी आदि प्रमुखता से शामिल हैं। आयोजन कर्ता लाला यादव ने बताया कि वह शारीरिक रूप से परेशान थे मान्यता की थी वह ठीक हो जाएगा तो शिव नाम धुन का आयोजन पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा जी के पावन तट में करवाऊंगा। इसी उद्देश्य से यह अखंड शिव नाम धुन किया जा रहा है आज 12 बजे पूजन अर्चन हवन तथा भोजन प्रसादी के बाद समाप्त होगा।

भाजपा कार्यालय डिण्डोरी में प्रोफेशनल मीट संपन्न, मोदी सरकार के 11 वर्षों को बताया स्वर्णिम युग

अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे के चलते प्रेस वार्ता हुई निरस्त, मृतकों को दी श्रद्धांजलि

डिंडौरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर ष्संकल्प से सिद्धिष तक के तहत आयोजित संगठनात्मक कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय डिण्डोरी में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते रहेए जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने की।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि विकसित भारत के लिए मोदी सरकार समर्पित है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों में सेवाए सुशासन और गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी गई हैए और भारत अब वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो गया है।

उन्होंने आतंकवाद पर की गई सर्जिकल स्ट्राइकए ऑपरेशन सिंदूर और रक्षा निर्यात में आए उछाल जैसे कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जिक्र किया। सांसद ने जोर देते हुए कहाए श्मोदी है तो मुमकिन है।श्जिला संगठन प्रभारी गिरीश द्विवेदी ने कहा कि मोदी जी की नेतृत्व क्षमता ने भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिलाओं को 33ः आरक्षणए लखपति दीदी योजनाए और महिला सशक्तिकरण के कदमों को ऐतिहासिक बताया।वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक अवधिया ने कहा कि भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

अजजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह तेकाम ने कहा कि मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति से युवाओं का कौशल निखरा है। देश में 23 नए एम्सए 8 आईआईएमए 7 आईआईटी और 490 नई यूनिवर्सिटियां खुली हैं। पीएम कौशल विकास योजना के माध्यम से 2 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण मिला है।भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष देश के इतिहास के स्वर्णिम पल हैं। कांग्रेस शासनकाल में देश 15वीं अर्थव्यवस्था थाए वहीं आज भारत चौथी अर्थव्यवस्था बनकर खड़ा है।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री ज्ञानदीप त्रिपाठी ने किया एवं आभार जिला महामंत्री जय सिंह मरावी ने व्यक्त किया।अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे के कारण पूर्व निर्धारित प्रेस वार्ता निरस्त कर दी गई। हादसे में मृत लोगों को श्रद्धांजलि स्वरूप मंच पर उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 2 मिनट का मौन रखकर संवेदनाएं व्यक्त कीं।कार्यक्रम में पूर्व विधायक दुलीचंद उरैतीए पूर्व जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैयाए पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति प्रकाश धुर्वेए जिला उपाध्यक्ष मनोहर ठाकुरए महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नरवरिया मरकामए युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राकेश परस्तेए नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारसए विधि प्रकोष्ठ संयोजक सुदील बरमैया सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ताए पदाधिकारी एवं प्रबुद्धजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह राजपूतए अनुराग गुप्ताए मनका सिंह वनवासीए सुधीर दत्त तिवारीए स्कंद चौकसेए आशीष वैश्यए लक्ष्मी दरकेशए वर्षा कुशरामए भजनलाल चक्रवर्तीए सीण्बीण उरैतीए सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

एमपीयूडीसी समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश सीवर लाइन कार्य 15 जून तक हर हाल में पूर्ण करें

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभागार डिंडौरी में कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में नगर परिषद एवं एमपीयूडीसी मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी लिमिटेडद्ध की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर के विभिन्न वार्डों में चल रहे सीवर लाइन कार्योंए नालियों की मरम्मत एवं सड़कों के सुधार कार्यों की गहन समीक्षा की गई।कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर की सड़कोंए गलियों और मोहल्लों में खुदाई के बाद अधूरे पड़े सीवर लाइन कार्यए टूटी हुई नालियों और सड़कों की मरम्मत कार्यों को हर हाल में 15 जून 2025 तक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कार्यों में तेजी लाना अनिवार्य हैए ताकि आमजन को कीचड़ए ओवरफ्लो और गड्ढों की समस्याओं से जूझना न पड़े।

उन्होंने एमपीयूडीसी के डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर जबलपुर अभय कुमार जैन को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में अभी तक कार्य अधूरे हैंए वहां विशेष निगरानी रखी जाए। इनमें विशेष रूप से पीडब्ल्यूडी कॉलोनी कस्तूरबा विद्यालय से भारत माता चौक रोड सरस्वती शिशु मंदिर से मुख्य मार्गए नर्मदागंज मोहल्ला बंधान टोला पुरानी डिंडौरी झुरकी टोला वार्ड क्रमांक 1 सुब्खार इमली कुटी जैसे स्थानों में सीवर लाइन से उत्पन्न हो रही समस्याएं जैसे ओवरफ्लो टैंकए खुदाई के बाद गड्ढेए टूटी सड़कें और नालियों की मरम्मत तत्काल पूर्ण की जाए।

कलेक्टर ने दो टूक कहा कि अगर तय समय.सीमा में कार्य पूरे नहीं होते हैं तो ठेकेदारए अभियंता और विभागीय अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जनता की सुविधाओं के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि पालतू जानवरों और आम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खोदी गई सड़कों और गड्ढों को जल्द भरा जाए। उन्होंने हंस नगर और साकेत नगर के लिए भी सीवर लाइन के निर्माण हेतु स्टीमेट तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस दौरान पार्षदगण रीतेश जैन भागीरथ उरैती रजनीश राय संदीप कांसकार सारिका नायक ज्योतिरादित्य भलावी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने.अपने क्षेत्रों की समस्याएं बैठक में उठाईंए जिन पर कलेक्टर ने गहन चर्चा कर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम सुश्री भारती मेरावी एमपीयूडीसी डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर अभय कुमार जैन जेण्केण राव जेएम रमानी सोमेश सिकरवार ठेकेदार सुमित दौलतए भूवेश रमानी अमित तिवारीए जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवारए श्रीमती मंजू तिवारीए राकेश झारियाए वीरेन्द्र बिहारी शुक्ला सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी. कर्मचारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने अंत में कहा कि सभी संबंधित विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करें और नगर की जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा प्रदान करने में कोई कोताही न करें।

अमरपुर ब्लॉक में संगठन सृजन अभियान के तहत बैठक संपन्न

अमरपुर।

अखिल भारतीय संगठन सृजन अभियान मध्य प्रदेश के भोपाल से लोकसभा नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी द्वारा प्रारंभ किया गया। जिसके तहत प्रत्येक जिला में एक प्रभारी नियुक्त कर जिले के संगठन में जिला अध्यक्ष चयन करने डिंडौरी जिले की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ के पूर्व संसदीय सचिव को दी गई। जिस संबंध में प्रत्येक ब्लॉक में बैठक आयोजित कर कांग्रेस पदाधिकारी एवं आम कार्यकर्ताओं से रायसुमारी हेतु ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर के अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर के अध्यक्षता में एवं पर्यवेक्षक गुरु दयाल बंजारे की मुख्य आतिथ्य में बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी कार्यकर्ता एक एक कर पर्यवेक्षक को अपनी राय से अवगत कराया गया। जिसका गोपनीय प्रतिवेदन राष्ट्रीय समिति को सौंपा जाना हैं। आयोजित बैठक में प्रमुख रूप से अशोक पड़वार अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटीए संतोषी साहू महिला कांग्रेस जिलाध्यक्षए अमित गुप्ता कार्यकारी जिलाध्यक्षए शिवराज सिंह ठाकुर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्षए हेमंत हरदहा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्षए राजेन्द्र गुप्ता संगठन मंत्रीए तोक सिंह मरावीए अमित कछवाहाए रामजी साहूए सफीक खान युवा कांग्रेस महासचिवए देव सिंह भारती शहपुरा विधानसभा अध्यक्ष सोशल मीडिया विभागए राजेश पाटले जिला उपाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेसए केवल कृष्ण नेटी ब्लॉक अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेसए राय सिंह मरकाम ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेसए वरिष्ठ कांग्रेसी मोहन मोंगरेए शकील अहमदए मेहरूदीन मंसूरीए संदीप शाह परस्ते मंडलम अध्यक्ष अमरपुरए खालिद खालिद खान मंडलम अध्यक्ष भानपुरए अरंविद साण्डयाए गणेश साहूए राम सिंह मरावी महामंत्रीए गिरीश सैयाम महामंत्रीए चमरू सिंह चड़चडिया ब्लॉक उपाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेसए प्रदीप बनवासीए गुमान सिंह मरावीए प्रशांत ठाकुरए इंद्र सिंह परस्तेए गोविंद प्रसाद विश्वकर्माए हरे सिंह पट्टाए मत्ते सिंह पट्टाए शिव कुमार मरावीए अरविंद उद्देए ओम प्रकाश उद्देए दुक्कल सिंह पुषामए लियाकत अलीए महेश कुशरामए राजा राम सैयामए रमेश कुशरामए लखन धूमकेतीए हेमंत कुशरामए मनमोहन परस्तेए छिद्दी सिंह अमहुरियाए कवल सिंहए कार्तिक राम तेकामए शिव कुमार साहूए अजय कुशरामए तुषार बघेलए दादू लाल परस्तेए सुनील मरावीए दिलीप धूमकेतीए नवल वनवासीए सुदीप बर्मनए लालमेन यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण भारी संख्या में मौजूद रहे।

मेंहदवानी में अज्ञात कारणों से लगी आग में कार जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी पुलिस थाना मुख्यालय मेंहदवानी में दिवंगत शिक्षक रणजीत मरावी के घर के सामने खड़ी अर्टिका कार क्रमांक MP52 CA 0615 में बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात को अज्ञात कारणों से आग लग गई जिससे कार जलकर खाक हो गया। पीड़ित परिजनों ने बताया कि रोज की भांति अर्टिगा कार घर के सामने खड़ी थी और हम लोग सो रहे थे रात्रि लगभग 2 बजे धमाके की आवाज सुनकर हम जाग गए और बाहर निकलकर देखा तो कार धू-धूकर जल रही थी और देखते ही देखते जलकर राख हो गई। मेंहदवानी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है।

ट्रेक्टर ट्राली पलटने से ड्राइवर की मौत

हरिभूमि न्यूज, मेंहदवानी पुलिस थाना मेंहदवानी अन्तर्गत ग्राम खरगवारा में गुरुवार की सुबह लगभग 10 बजे ट्रेक्टर ट्राली पलटने से ड्राइवर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रेक्टर ट्राली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बने सड़क पर मुर्रम डाल रहा है तभी अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें दबने से ड्राइवर की मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस डायल 100 एवं आपातकालीन वाहन 108 को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को आपातकालीन वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदवानी पहुंचाया जहां जांच के बाद डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

बाल श्रम समाज के भविष्य के लिए घातक-अपर कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट कार्यालय के सोन सभागार में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय ने कहा है कि बाल श्रम समाज के भविष्य के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा एवं समुचित मार्गदर्शन देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बाल श्रम उन्मूलन हेतु प्रशासन, समाजसेवी संस्थाओं तथा आमजन के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने श्रम विभाग द्वारा बाल श्रम उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि जनजागरण अभियान के माध्यम से ही इस सामाजिक कुप्रथा को समाप्त किया जा सकता है। कार्यशाला में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजित करना दंडनीय अपराध है। अधिनियम के अंतर्गत दोषियों के विरुद्ध कड़ी सजा और आर्थिक दंड का प्रावधान है। कार्यशाला में एचएआरडी के समन्वयक सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि भारत में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 संशोधित अधिनियम 2016 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजित करना अपराध है। उन्होंने कहा कि गरीबी, अशिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारी, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता बाल श्रम के प्रमुख कारण हैं। श्रम पदाधिकारी अनुव्रत देव द्विवेदी ने बताया कि बाल श्रम बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास को प्रभावित करता है। यह उनके शिक्षा के अधिकार का भी हनन करता है। उन्होंने बताया कि बाल श्रम बच्चों के मानसिक, शारीरिक और नैतिक विकास में बाधक है। इसके रोकथाम के लिए जन-जागरूकता, शिक्षा और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। कार्यशाला में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई तथा लोगों को जागरूक किया गया। कार्यशाला में जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित थे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर श्रम विभाग ने जागरूकता रैली का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में आज विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा अनूपपुर नगर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य समाज में बाल श्रम के विरुद्ध जनमानस को जागरूक करना तथा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना रहा।

रैली अनूपपुर नगर के रेलवे स्टेशन चौराहा से प्रारंभ होकर कोतवाली चौराहा तक निकाली गई, जिसमें श्रम विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली के दौरान ''बाल मजदूरी बंद करो'', ''शिक्षा का अधिकार सबका अधिकार'', ''बच्चों को कलम दो, कुदाल नहीं'' जैसे प्रेरक नारों से अनूपपुर नगर गूंज उठा। रैली के समापन अवसर पर श्रम पदाधिकारी अनुव्रत देव द्विवेदी ने कहा कि बाल श्रम न केवल बच्चों के वर्तमान को प्रभावित करता है, बल्कि उनके भविष्य को भी अंधकारमय बनाता है। उन्होंने बताया कि श्रम विभाग सतत रूप से बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चला रहा है तथा समाज के सभी वर्गों से अपील की गई है कि वे बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी बताया कि बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत यदि कोई बाल श्रम करता हुआ पाया जाता है तो संबंधित नियोक्ता के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रदान करना हम सभी की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे कि ''राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग'', ''मिड डे मील योजना'', ''समग्र शिक्षा अभियान'' आदि बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कर शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के लिए प्रभावी साधन हैं। रैली में जनसामान्य से बाल श्रम की जानकारी मिलने पर तत्काल श्रम विभाग को सूचित करने का आग्रह भी किया गया। रैली में एचएआरडी के समन्वयक श्री सुशील कुमार शर्मा, मोहन पटेल सहित अन्य संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित थे।

4 मोरों का कच्चा - पका मांस व अवशेष किए जब्त

राष्ट्रीय पक्षी मोर का किया शिकार, आरोपी गिरफ्तार

नाकेदार की कार्यप्रणाली पर भी संदेह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे राष्ट्रीय पक्षी मोर की संख्या दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। जो बचे हुए है उन्हे भी अपरोपियों द्वारा शिकार कर समाप्त किया जा रहा है। ऐसा ही मामला वन परिक्षेत्र बरमान का सामने आया जिसमें आरोपियों को मोर का मांस पकाते हुए वन विभाग की टीम द्वारा पकड़ा गया और थाना सुआतला पुलिस के सुपुर्द कर वन्य प्रकरण दर्ज कराया गया। हालांकि उक्त मामले मे कई प्रकार से संदेह बना हुआ है। वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे है। ऐसे मामलों से ऐसा भी प्रतीत होता है कि वनकर्मी वन्यजीवों को बचाने में पूरी सतर्कता नही दिखा रहे है।

इन पर दर्ज हुआ मामला

वन परिक्षेत्र बरमान की रहली वीट पर वन्य प्राणी राष्ट्रीय पक्षी मोर को शिकार की सूचना मिली और वन विभाग द्वारा मौके पर पहुंचकर कर आरोपियों के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण कमांक 33596/13 थाना सुआतला में दर्ज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी इंप्रेस पिता सद्दे पारधी, उम्र 46 वर्ष, ग्राम आंवरिया, पोस्ट बिलेहरा, रोहित आत्मज शिवदयाल ठाकुर, उम्र 17 वर्ष, ग्राम अमथनु, पोस्ट बम्हनी, तहसील करेली, रामनरेश

आत्मज पंचम सिंह ठाकुर, उम्र 42 वर्ष, ग्राम बम्होरी घाट, पोस्ट करहैया, तहसील जैशी नगर, जिला सागर, शिवदयाल आत्मज बाबू लाल ठाकुर, उम्र 45 वर्ष, ग्राम अमथनु, पोस्ट बम्हनी, करेली, नरसिंहपुर के पास से मोर के अवशेष एवं मांस पकाते हुए पकड़ कर वन अपराध में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

विभाग को मिली थी सूचना

उक्त मामले के संबंध मे सूत्रो द्वारा बताया गया कि विभाग को सूचना दी गई कि कुछ लोगों द्वारा मोर का शिकार कर उसके मांस को पकाया जा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर आरोपियों को पकड़ा गया और उनसे मोर के अवशेष तथा मांस एवं पकाते हुए बर्तन आदि जब्त किए गए। विचारणीय बात यह कि विभाग को सूचना देने वाले व्यक्ति को मोर के शिकार की जानकारी थी। मोर का शिकार हो गया तथा पकाते समय उसके द्वारा सूचना दी गई। शिकार मे कितने लोग थे तथा दाबत मे कितने लोग शामिल होकर आरोपी बन गए इसका उत्तर छिपा हुआ है।

विभागीय कर्मचारियों पर भी संदेह

रहली वीट मे पदस्थ नाकेदार को सूचना दी गई और सूचना के आधार कार्रवाई की गई। वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा सूचना पर कार्रवाई की गई है इससे यह भी प्रतीत होता है कि वन विभाग के कर्मचारी क्षेत्र मे भ्रमण कम करते है। जबकि सरकार द्वारा वन कर्मियों को वनो तथा वन्य जीवों की रक्षा के लिए तैनात किया गया है परन्तु विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी वीट मे भ्रमण ना करने का नतीजा भी सामने है कि वन विभाग को सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। यदि कर्मचारियों द्वारा वीट का भ्रमण किया गया होता तो 3 से 4 राष्ट्रीय पक्षियों को बचाया जा सकता था। यदि वन कर्मियों द्वारा ऐसे ही लापरवाही बरती गई तो जिले से वन्य जीवों की प्रजाति भी समाप्त हो सकती है।

खबर संक्षेप

शिक्षकों को दिया जा उन्मुखीकरण का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में 9 जून से शिक्षक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के पहले दिन भोपाल से अकादमिक प्रशिक्षण प्राप्त प्राचार्य प्रभात कुमार मिश्रा ने स्कूल लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम के सभी आयामों के बारे में शिक्षकों को बताया गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्राथमिक विभाग के महबूब अहमद अंसारी ने अपने अनुभव, तीसरे दिन माध्यमिक विभाग की प्रधान पाठक श्रीमती माधुरी गर्ग ने प्रश्न उत्तर के माध्यम से, चैथे दिन यूएचव्ही आनंद सभा के आशी पटेल, सुरेन्द्र पटेल, कृष्ण कुमार शर्मा व दुर्गा प्रसाद धुर्वे ने मानवीय मूल्य स्थापित करने वाली मान्यताओं के बारे में बताया। पांचवें दिन इमरान खान ने उमंग आधा फुल और श्रीमती नीलम राय ने मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण दिया।

राष्ट्रीय योग ओलंपियाड में छात्रों का चयन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय योग ओलंपियाड 2025 कन्याकुमारी हेतु चयनित छात्र शासकीय नेहरू स्कूल नरसिंहपुर के रोहन प्रजापति कक्षा 10 वीं, प्रियांशु चोपड़ा कक्षा 9 वी एवं सुमित लोधी कक्षा 8 वी को नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन से अमरकंटक एक्सप्रेस से उनके कोच जिला योग प्रभारी देवेन्द्र कुमार ढ़मिोले के साथ एस. के. चतुर्वेदी अध्यक्ष जिला योग समिति एवं योग प्रशिक्षक दीपक कुमार चैबे ने शुभकामनाएं एवं बधाई देकर रवाना किया। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय ओलंपियाड हेतु पूरे मध्य प्रदेश से 8 छात्र चयनित हुए हैं, जिनमें 3 छात्र नेहरू स्कूल नरसिंहपुर के हैं। जिनके देवेन्द्र कुमार ढ़मिोले कोच हैं। हमें कोच एवं चयनित छात्रों पर गर्व है।

गौ अभ्यारण के संरक्षण की मांग , संत करेंगे जल सत्याग्रह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश में गौ संरक्षण की मांग लगातार उठ रही है गौ माता की दुर्दशा से हर कोई वाकिफ है ऐसे में को संरक्षण के लिए संत समाज आगे आ रहा है और आज शिष्य मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ आशुतोष महंत की अगवाई में कलेक्ट्रेट में गौ संरक्षण की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया है और संतो के अनिश्चितकालीन जल सत्याग्रह ब्रह्मांड घाट में की जानकारी शासन प्रशासन को दी गई है डॉक्टर आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा बताया गया कि पूर्व में वह संरक्षण की मांग को लेकर प्रशासन को पत्र लिख चुके हैं लेकिन शासन प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है अतः उन्होंने प्रदेश के संतों को गौ संरक्षण का दायित्व सौंपने का प्रस्ताव भी दिया है ताकि सेवा भाव से गौ माता की सेवा की जा सके और उनका संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सके।

भाविप का बाल संस्कार शिविर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वर्तमान समय में मानवीय मूल्यों की शिक्षा संस्कार और चरित्र निर्माण हेतु बाल संस्कार शिविर बहुत आवश्यक है परिषद के माध्यम से इन शिविरों को आयोजित कर बच्चों में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को पैदा कर राष्ट्र के निर्माण हेतु तैयार किया जाता है इसी राष्ट्र प्रेम की भावना से ओतप्रोत भारत विकास परिषद शाखा नरसिंहपुर द्वारा तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर नरसिंहपुर नगर के सुभाष वार्ड आंगनबाड़ी केंद्र नलकूप कॉलोनी में आयोजित किया गया जिसमें प्रतिदिन बच्चों को अलग-अलग एक्टिविटी द्वारा खेल-खेल में सुसंस्कारित करने एवं उनकी प्रतिभाओं को निखारने हेतु प्रतिदिन कई कार्यक्रम कराए गए जिसमें बच्चों ने पूर्ण उमंग उत्साह के साथ भाग लिया और उन्हें अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लिया शिविर के अंतिम दिवस पर कार्यक्रम का समापन नगर की वरिष्ठ समाज सेविका पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संध्या कोठारी के मुख्य आतिथ्य में हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों द्वारा मां भारती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ ,संध्या कोठारी द्वारा बच्चों को उनके स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी साथ ही साथ उनके उज्जवल भविष्य हेतु उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ ही साथ कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित परिषद की वरिष्ठ मार्गदर्शिका सुमन शर्मा द्वारा बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने हेतु समझाइश दी गई तीनों दिवस के कार्यक्रम का संचालन रीजनल महिला सहभागिता प्रमुख भारती कौरव द्वारा किया गया प्रतिदिन बच्चों के उत्साह और उमंग को ध्यान में रखते हुए परिषद परिवार की मातृशक्तियों द्वारा उनके लिए प्रतिदिन खाद्य सामग्री और पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया कार्यक्रम में तीनों दिवस शिविर को पूर्ण सहभागिता और सहयोग के साथ जिन बच्चों ने अटेंड किया उन बच्चों में से पांच बच्चों को प्रमुख रूप से पुरस्कृत किया गया, शिविर में 38 बच्चों की उपस्थिति रही , इसके अलावा कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र राजपूत, युवा संस्कार प्रभारी श्रीमती सविता अग्रवाल एवं शाखा अध्यक्ष उमेश दुबे की उपस्थित रही, कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुमन मेहरा सहायिका प्रभा पांडे एवं आशा कार्यकर्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा कार्यक्रम के अंत में शाखा की महिला प्रमुख सुनीता शर्मा द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाते हेतु सभी का आभार व्यक्त किया गया।

फैटी लीवर डिजीज पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशानुसार व सीएमएचओ डॉ. एसएस ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में नॉन अल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज- एनएएफएलडी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम राज्य शासन के निर्देशानुसार 30 जून तक आयोजित किया जायेगा। नॉन अल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज- एनएएफएलडी कार्यक्रम जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खुरपा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंहपुरबड़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को इस तेजी से फैल रही बीमारी के बारे में जानकारी देकर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। एनएएफएलडी एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लीवर में वसा जमा हो जाता है, जबकि व्यक्ति शराब का सेवन नहीं करता है। यह स्थिति मधुमेह, मोटापा, अनियमित दिनचर्या और खानपान की गलत आदतों से उत्पन्न होती है। कार्यक्रम में बताया गया कि यदि समय रहते इसका निदान और सही इलाज नहीं होता है, तो यह सिरोसिस या लीवर कैंसर जैसी जटिल स्थितियों में बदल सकता है। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को निरूशुल्क लीवर स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी गई तथा उन्हें खानपान में सुधार, नियमित व्यायाम और समय पर जांच करने की सलाह दी। इस दौरान एनसीडी सलाहकार डब्लयूएचओ डॉ. रूपाली भारद्वाज ने इन स्वास्थ्य संस्थाओं का भम्रण कर नॉन अल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज अभियान में की जा रही गतिविधियों का जायजा लिया। इस अवसर पर बीएमओ नरसिंहपुर डॉ. रिचा मिश्रा, डॉ हेमंत लालवानी, मेडीकल ऑफिसर डॉ. आंकाक्षा भनारिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती भारती चैरसिया, जिला समन्वयक डब्लयूएचओ श्री नीरज बाचेकर, स्टाफ, नागरिक, स्वसहायता समूह की महिलायें और स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

अपनी नाकामी छिपाने औपचारिकता निभा रहा मंडी प्रशासन

लाइसेंसधारियों पर कार्यवाही और बगैर लाइसेंस धारी गांव गांव जाकर मनमाने दामों पर खरीद रहे उपज

तेंदूखेड़ा। हमेशा सुर्खियों में बनी रहने वाली तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी केवल और केवल अपनी नाकामी छिपाने के चक्कर में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सामने मुंह बताने केवल औपचारिकता निभाती ही नजर आ रही है। पिछले सप्ताह सिहोरा उपमंडी शुरू होने और तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी तेंदूखेड़ा परिसर में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम में पहुंचे विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल के द्वारा मंडी अधिकारियों कर्मचारियों को लगाई गई फटकार के बाद मंडी प्रशासन हरकत में आया और एक टीम गठित कर डाली वह भी केवल देखने सुनने के लिए। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार मंडी प्रशासन द्वारा तेंदूखेड़ा के दो स्थानीय लाइसेंस धारी व्यापारियों को अपनी कोप का भाजन बनाते हुए मामूली-सी उपज का प्रकरण बनाते हुए स्वयं अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। लेकिन जिन व्यापारियों के लाइसेंस नहीं है और मंडी के बाहर बड़ी मात्रा में खुले आम बीच सड़कों पर उपज खरीद रहें हैं उन पर इन अधिकारियों की कृपा बनीं हुई है। विभिन्न जिंसों की आवक शुरू हो गई है। बगैर लाइसेंस धारी व्यापारी गांव गांव अपने स्वयं के तौल कांटे ले जाकर मनमाने दामों और तौल पर उपज खरीद रहें हैं। स्थानीय व्यापारी हाथ पर हाथ रखकर बैठा हुआ है। और इन्हीं पर मंडी प्रबंधन का डंडा चल रहा है।इन सब गतिविधियों के पीछे केवल और केवल एक ही कारण निकलकर सामने आया है कि यहां पर दशकों पूर्व से जमें कर्मचारियों की क्षेत्र के इन सभी विचौलियों से सीधी सेटिंग बनीं हुई है। इनकी मिलीभगत से ही मदनपुर खमरिया और गाडरवारा डोभी सड़क मार्ग से लेकर बीकोर भामा सहित विभिन्न क्षेत्रों में खुले आम अनाज की खरीदी चल रही है। अनेकों बार कार्यवाही के नाम पर केवल गाज मंडी सचिव पर गिरती है। नया मंडी सचिव आते ही जब तक विस्तृत क्षेत्र को समझने की कोशिश करता भी है या कार्यवाही करने के लिए छापामार शैली में दोडता भी है एतो अधीनस्थों का उचित सहयोग ना मिलने के कारण उन्हें पूर्व सूचना हो जाने के कारण खाली हाथ ही लौटना पड़ता है।जब तक पूरा नया स्टाप नही बदलेगा तब तक मंडी चल पाना संभव नहीं है। इतना ही नहीं पूर्व में समाचार पत्रों के माध्यम से मंडी में दो दिन के लिए अतिरिक्त प्रभार लेकर बैठे लेखापाल आज तक मंडी नहीं पहुंचे हैं। कुछ व्यापारियों ने अपना नाम ना उजागर करने की शर्त पर स्पष्ट किया है कि जब तक गांव गांव बाहन लेकर घूम रहे इन बगैर लाइसेंस धारी व्यापारियों और अधिकारियों की सांठगांठ बंद नहीं होगी तब तक मंडी सही तरीके से नहीं चलेगी। व्यापारी वर्ग का कहना है कि मंडी क्षेत्र में आने वाले सभी व्यापारियों को मंडी परिसर में ही घोष विक्रय के लिए क्यों नहीं खरीद करने के लिए दबाव बनाया जाता और ना ही कोई कार्रवाई की जाती केवल स्थानीय व्यापारी ही मंडी प्रबंधन को क्यों दिखता है।आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में खुले आम ट्रक किसकी सहमति से भरे जा रहे हैं।

सोने चांदी के जेवरात के साथ 20 हजार नगद ले गये चोर

तेंदूखेड़ा। बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात में समीपी ग्राम सर्रा में बलराम खोजर के घर पर अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर-कुछ सोने चांदी के जेवरात पार करते हुए साथ में रखे लगभग बीस हजार रुपए की नगद राशि पार कर दी है। पीड़ित पक्ष बलराम खोजर ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि अधिक गर्मी के कारण परिवार के कुछ लोग ऊपर छत पर सो रहे थे और कुछ नीचे सुबह जब उठकर देखा तो भीतर कमरे का सामान बिखरा पड़ा हुआ था। तथा सोने चांदी के जेवरात और नगदी नदारत थी।जिसकी लिखित शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर छानवीन में जुट गई है।

मिशन नींव 2025 के अंतर्गत दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मिशन नींव 2025 के अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष नरसिंहपुर में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा मिशन नींव 2025 के तहत जन्म से 6 वर्ष तक के बच्चों को अलग- अलग के लिए निर्धारित आधारशिला, 3 से 6 वर्ष के लिए एवं नवचेतना अंतर्गत जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों को निर्धारित कोर्स और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही जन्म से 6 वर्ष तक के बच्चों को पोषण एवं पढ़ाई के बराबर अनुपात एवं उसकी महत्वता व उसके जीवन में योगदान के विषय में बताया गया। प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीक का प्रयोग वापस आंगनबाड़ी केन्द्र पर जाकर प्रतिदिन प्रत्येक बच्चों के साथ किया जाना है। यह कार्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग एवं कार्यकर्ताओं के समूहों द्वारा किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने प्रत्येक कार्यकर्ता से प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की। उन्होंने इसके लाभ एवं प्रशिक्षण के उपरांत इसका उपयोग करने और उपयोग से होने वाले लाभ के संबंध में बताया। इसके अलावा प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीक को आगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा उपयोग करने और इसे निरीक्षण सूची में शामिल करने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण के दौरान समस्त परियोजना अधिकारी, समस्त सेक्टर सुपरवाईजर एवं ब्लॉक समन्वयक पोषण अभियान मौजूद थे।

अतिथि शिक्षकों ने शासन के समक्ष रखी अपनी मांग

जून माह से ही प्रारंभ की जाए सेवाएं

तेंदूखेड़ा। आगामी 16 जून सोमवार से पुनः नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होनी है।अतिथि शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष शिवकुमार सोनी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शासन से मांग की गई है कि अतिथि शिक्षकों की सेवाएं जून माह से ही प्रारंभ की जाए ।जिससे अतिथि शिक्षकों के सामने जो जीवकोपार्जन का संकट बना हुआ है उससे निजात मिल सके। अप्रैल माह से अतिथि शिक्षकों की सेवाएं समाप्त हो गई थी।

पिछले 2 माह से अतिथि शिक्षकों को रोजगार से वंचित रहना पड़ा। इस बार सरकार के द्वारा सभी अतिथि शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन एजुकेशन पोर्टल पर करा दिया गया है ।पहले यह कार्य जीएफएमएस पोर्टल पर हुआ करता था। संगठन के द्वारा लगातार मांग की जा रही है कि सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण रूप दिया जाए जिससे अतिथि शिक्षकों को सत्र के बीच में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े और सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही उनकी भर्ती प्रक्रिया भी पूर्ण हो सके। ज्ञात हो कि लगातार 17 -18 वर्षों से अतिथि शिक्षकों के द्वारा न्यूनतम वेतन पर शासकीय स्कूलों में अपनी सेवाएं दी जा रही है ।

पिछले विधानसभा चुनाव के पूर्व मध्य प्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा 2 सितंबर को महापंचायत बुलाकर अनेक घोषणाएं की गई थी। परंतु आज तक उन घोषणाओं पर अमल नहीं किया गया है ।जिस कारण से अतिथि शिक्षक अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। अतिथि शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा 12 माह का कार्यकाल किए जाने की घोषणा की गई थी। परंतु उस घोषणा पर वर्तमान सरकार द्वारा अमल नहीं किया गया है और हमारी सेवाएं अप्रैल माह से ही समाप्त कर दी गई है ।जिससे हम लोगों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट बना हुआ है ।यदि सरकार जून माह से ही सभी अतिथि शिक्षकों की सेवाएं प्रारंभ कर देती हैं तो सभी को एक रोजगार का अवसर पुनः स्थापित हो सकेगा क्योंकि इस दौरान इस बार भर्ती प्रक्रिया किस पद्धति के आधार पर होगी सरकार के द्वारा अभी तक कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। आगामी 16 जून से सभी शासकीय स्कूल बच्चों के लिए खुल जायेंगे और जून माह में ही बच्चों के एडमिशन पुस्तक वितरण जैसे अनेक कार्य भी संपन्न कराए जाएंगे ऐसे में शासन प्रशासन से मांग है कि समय रहते अतिथि शिक्षकों की सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर ली जावे। और सत्र प्रारंभ होने के साथ ही इनकी सेवाएं भी शुरू हो जायें।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथकर्ता महेश कुमार पटेल आत्मज रामचरण पटेल उम्र 50 वर्ष निवासी रानी अवंती बाई वार्ड, धनारे कालोनी नरसिंहपुर जिला व तहसील नरसिंहपुर उक्त पते का स्थाई निवासी है। यह कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश नाम राज दर्ज हो गया है जबकि मेरे पुत्र के अन्य दस्तावेजों में नाम शुभम कुमार पटेल दर्ज है। नगर पालिका के रजिस्ट्रीकरण क्रमांक 794 दिनांक 20.05.2009 जावक क्रमांक 1441 जारी दिनांक 13 जून 2013 पर दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम शुभम कुमार पटेल पिता महेश कुमार पटेल है। यह कि पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में नाम परिवर्तन कर सही नाम शुभम कुमार पटेल पिता महेश कुमार पटेल दर्ज करने हेतु शपथ पत्र पेश कर रहा हूं।

शपथकर्ता